NATIONAL SENIOR CERTIFICATE EXAMINATION
NOVEMBER 2016

HINDI SECOND ADDITIONAL LANGUAGE: PAPER I

MARKING GUIDELINES

Time: 2 hours 100 marks

These marking guidelines are prepared for use by examiners and sub-examiners, all of whom are required to attend a standardisation meeting to ensure that the guidelines are consistently interpreted and applied in the marking of candidates' scripts.

The IEB will not enter into any discussions or correspondence about any marking guidelines. It is acknowledged that there may be different views about some matters of emphasis or detail in the guidelines. It is also recognised that, without the benefit of attendance at a standardisation meeting, there may be different interpretations of the application of the marking guidelines.

IEB Copyright © 2016

भाग क

प्रश्न एक

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में हिन्दी में दीजिए

अर्जुन का निशाना

बात बहुत पहले की है। हमारे देश में एक राजा थे - पाण्डु। पाण्डु के पॉच पुत्र थे जो उनके नाम पर पाण्डव कहलाते थे। युधिष्ठिर इन सबमें बड़े थे। युधिष्ठिर से छोटे थे - भीम , अर्जुन , नकुल और सहदेव।

पॉवों राजकुमार गुरु द्रोणाचार्य से अस्त्र - शस्त्र चलाने की शिक्षा ग्रहण करते थे। भीम गदा चलाने में बहुत कुशल थे और अर्जुन धनुष - बाण चलाने में। गुरु द्रोणाचार्य समय समय पर अपने शिष्यों की परीक्षा लिया करते थे। एक दिन उन्होंने पेड़ पर मिट्टी की एक चिड़िया टॉग दी। फिर राजकुमारों से चिड़िया की ऑख पर बाण मारने को कहा। गुरु द्रोणाचार्य ने बारी बारी अपने शिष्यों को बुलाया। उन्होंने चिड़िया की ओर संकेत करते हुए पुछा ,"उधर देखो ,तुम्हें क्या दिखाई देता है ? " किसी ने कहा " गुरुजी , मुझे सभी राजकुमार , पेड़ और चिड़िया दिखाई देते हैं। " किसी ने कहा , " मुझे पेड़ और चिड़िया दिखाई देते हैं। किसी ने कहा, " मुझे चिड़िया के पंख दिखाई देते हैं। " द्रोणाचार्य ने किसी को भी बाण चलाने की आज्ञा नहीं दी। अर्जुन की बारी आने पर द्रोणाचार्य ने उससे भी वही प्रश्न किया। अर्जुन ने कहा, " गुरुजी ! मुझे तो केवल चिड़िया को ऑख दिखाई देती है। " गुरुजी द्रोणाचार्य ने सभी राजकुमारों को समझाया , " जहॉ निशाना लगाना हो , ध्यान केवल उसी पर होना चाहिए। इधर उधर का सभी कुछ देखने से ध्यान बॅट जाता है और निशाना ठीक नहीं बैठता। अर्जुन का ध्यान केवल चिड़िया की ऑख पर था , इसलिए उसका निशाना बिलकुल ठीक बैठा और बाण ठीक चिड़िया की ऑख में लगा।अजुर्न धनुष बाण चलाने में बहुत कुशल थे। उन दिनों धनुष बाण चलाने में अर्जुन का मुकाबला करने वाले बहुत कम वीर थे। अपनी इसी कुशलता के बल पर अर्जुन ने राजा द्रुपद की शर्त की। राजा द्रुपद की शर्त थी ः जो काई तेल के कड़ाह में देखकर ऊपर लटकी मछली की ऑख को अपना निशाना बनाएगा , द्रौपदी का विवाह उसी वीर से किया जाएगा। अर्जुन ने ठीक, मछली की आत्ख पर तीर मारा और शर्त जीत ली। महाभारत के युद्ध में भी अर्जुन धनुष बाण का कमाल दिखाया। अर्जुन के बाण कभी आग बरसाते , कभी पानी। वह अकेला ही हज़ारों शत्रुओं से भिड़ जाता। महाभारत के युद्ध में अर्जुन और उसके भाइयों की विजय हुई।

[Source: Baal Bharti]

१.१ पाण्डव कौन थे ?

पाण्डु के पॉच पुत्र थे जो उनके नाम पर पाण्डव कहलाते थे। युधिष्ठिर इन सबमें बड़े थे। युधिष्ठिर से छोटे थे - भीम , अर्जुन , नकुल और सहदेव। (२)

१.२ द्रोणाचार्य राजकुमारों को किस प्रकार की परिक्षा ली ?

एक दिन उन्होंने पेड़ पर मिट्टी की एक चिड़िया टॉग दी। फिर राजकुमारों से चिड़िया की ऑख पर बाण मारने को कहा। गुरु द्रोणाचार्य ने बारी बारी अपने शिष्यों को बुलाया। (२)

१.३ *"अस्त्र - शस्त्र चलाने की शिक्षा।"* इस वाक्य को अपने शब्दों में समझाइए

इस कला जहॉ तरह तरह के हथियार के उपयोग सीखते है। वे तकनीक और युध के रहस्यों को जानने को सीकते है। (४)

१.४ राजा द्रुपद की क्या शर्त थी ?

राजा द्रुपद की शर्त थी ः जो काई तेल के कड़ाह में देखकर ऊपर लटकी मछली की ऑख को अपना निशाना बनाएगा , द्रौपदी का विवाह उसी वीर से किया जाएगा (४)

१.५ विलोल शब्द लिखिए।

१.५.१ पुत्र **पुत्री**

१.५.२ देश **विदेश** (४)

१.६ समानार्थी शब्द लिखिए ः

१.६.१ शिष्य **छात्र**

१.६.२ चिड़िया **पंक्षी** (४)

[२०]

IEB Copyright © 2016

प्रश्न दो

२. दिए गए प्रश्नों का उत्तर लिखो।

२.१ कोष्ठक में से उचित उत्तर चुनकर लिखिए।

२.१.१ सीता ____ (*के आगे*, का आगे, *से आगे*) राम और पीछे लक्ष्मण। (२)

२.१.२ आकाश ____ (से, पर, में) बादल छा जाते हैं। (२)

२.१.३ एक छोटी सी लड़की ____ (थी, थे, था)। (२)

२.२ नीचे लिखे वाक्यों को क्रम से लिखो।

२.२.१ बने राजा श्री कृष्ण के द्वारकापुरी

श्री कृष्ण द्वारकापूरी के राजा बने (२)

२.२.२ तक तब था थक चुका वह बहुत।

तब तक वह बहुत थक चुका था। (२)

२.३ ईन शब्दों की स्त्रिलिंग शब्द लिखिए।

२.३.१ धोबी **धोबिन** (२)

२.३.२ दास **दासी** (२)

२.४ ईन शब्दों को बहुवचन में लिखिए।

२.४.१ चुहा **चुहे** (२)

२.४.२ थाली **थालियाँ** (२)

२.५ वाक्य का सही काल लिखिए। कोष्ठक में से उत्तर चुनिए।

(भूतकाल वर्तमान काल भविष्यत काल)

२.५.१ आप अमेरिका से कब लौटें गे।

भविष्यत काल (२)

२.५.२ भीम ने दुर्येधन का वध किया।

भूतकाल (२)

२.५.३ मोहान ऊपर कमरे में पढ़ रहा हैं।

वर्तमान काल (२)

२.६ शब्द समूहों के लिए एक शब्द लिखिए।

२.६.१ जिसके हृदय में दया न हो।

निदर्य (२)

२.६.२ जो ईश्वर को मानता हो।

आस्तिक (२)

२.७ चित्र वर्णन ः निम्न चित्र को देखकर प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

चित्र वर्णन

[Source: <fun4all.co.in>]

२.७.१ इस घटना कब हुआ ? चित्र के अनुसार कारण लिखिए।
रात में हुआ। चित्र में चॉद का तश्वीर है। (२)

२.७.२ घटना का वर्णन कीजिए ?
चोर गलत घर में घुस गया। लगता है कि वह मार पीठ खाया। पोलिस से शिकायत करता है (२)

२.७.३ सिपाही का चहेरा क्या बताते है ?
वह हैरान और गुस्से में है। (३)

२.७.४ आदमी के सिवाय चित्र में आप क्या देख सकते है ?
एक कुत्ता। जो चुपचाप बैठ कर देख रहे है। (२)

२.७.५ क्या गलती महंगी पर सकते है। अपने विचार लिखिए
गलतियों को बहुत महँगा हो सकता है। इसलिए लगता है कि इससे पहले हम कुछ भी करने से सोचना चाहिए।हम कार्य में जल्दबाजी नहीं करना चाहिए। (३)

[४०]

भाग ख

साहित्य

प्रश्न ३ ः कविता

३.१ कवि "शक्ति और सौन्दर्य ६

निम्नलिखित पंक्तियों को अपने शब्दों में संक्षेप व्याख्या कीजिए ः

"बलके सम्मुख विनत भेड़ सा अम्बर शीश झुकाता है
इससे बढ़ सौन्दर्य दूसरा तुमको कौन सुहाता है ? "

जिसके पास बल रूपी शक्ति है तो उसके आगें आकाश भी मस्तक को झुकाता है ।
शक्ति के आगे सभी अपना माथा टेंकते है ।
शकित ही सुौन्दर्य दोंनो ही एक दूसरे पर निर्भर है । (५)

३.२ ध्वनि

ध्वनि कविता में क्या मूल्य विचार है । अपने शब्दों में समझाइए ।

ध्वनि कहता है कि उसका अन्त कभी नहीं आएगा । इस समय उसके वन में वसन्त अपनी को मलता लेकर आया है । वसन्त के आने से सब पत्ते हरे है । और डालियॉं और कलियॉं भी बहुत कोमल हैं । जब रात को कलियॉं सो जाएँगी तब मैं उनको स्वप्न की दुनियॉं में से जाउँगा जबतक वे सबेरे जागेंगे । (६)

३.३ दीपक में पतंग जलता क्यों

दीपक ओर पतंग का अनुपम खेल कविता द्वारा कवि ने समझाया ?
अपने शब्दों में इस खेल को संक्षेप में वर्णन कीजिए

कवयित्री पूछती है पतंग दीपक के चारो ओर फड़फड़ाकर क्यों जलता है । पतंग दीपक को अपना प्रिय समझता है और उसको चमक में जीता है । फिर ऐसा अभिनय वह क्यों करता है । जैसे कि वह दीपक से बहुत दूर है । वह समझती है कि पतंग पागल है । वह कहती है कि उसका पागलपन शिखा में जलता है । तो वह घबराता क्यों है । (५)

३.४ केवट प्रसंग अथवा सुबोध सॉंखियॉं - कबीरदास (answer either ३.४.१ or ३.४.२)

३.४.१ केवट प्रसंग ः

केवट प्रसंग में श्री राम तथा केवट का सुन्दर दृश्य, को अपने शब्दों में विस्तार पूवर्क वर्णन कीजिए । (१०)

अथवा

३.४.२ सुबोध सॉंखियॉं - कबीरदास ः इन दोहों को अपने शब्दों में हिन्दी में समझाइए ।

(क) *"परनारी राता फिरै , चोरी बिढ़िता खाहि ।*
दिवस चरि सरसा रहै , अति समूला जाहि ॥"
परनारी से प्रीति जोड़ते है और चोरी की कमाई खाते है । भले ही वे चार दिन फूले फुले फिरें किन्तु अन्त में वे जड़मूल से नष्ट हो जाते है । (५)

(ख) *" सत न छाड़ै सतई , जे कोटिक मिले असंत ।*
चंदन भूवंगा बैठिया तउ सीतलता न तजंत ॥
करोड़ो ही असन्त अ जाय तो भी सन्त अपना सन्तपना नहीं छोड़ता । चन्दन के वृक्ष पर कितने ही सॉंप आ बैठे । तो भी वह शीतलता को नहीं छोड़ता । (५)

[२६]

IEB Copyright © 2016

प्रश्न ४ ः कहानी

पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए ः

४.१ काकी ः रस्सी खरीदने के लिए श्यामू ने क्या किया ?

श्यामू पतंग के लिए बहुत उत्कण्ठित हो उठा। वह अपनी इच्छा किसी तरह न रोक सका। एक जगह खूँटी पर विश्वेश्वर का कोट टँगा हुआ था। इधर-उधर देखकर उसने उसके पास एक स्टूल सरकाकर रखा और ऊपर चढ़कर कोट की जेबें टटोली। उनमें से एक चवन्नी का आविष्कार करके वह तुरन्त वहाँ से भाग गया (४)

४.२ दुख का अधिकार ः इस कहानी के अनुसार एक विशेष समाजिक समस्या पर प्राकाश डालिए ?

मनुष्यों की पोशाकें उन्हें विभिन्न श्रेणियों में बाँट देती हैं। प्रायः पोशाक ही समाज में मनुष्य का अधिकार और उसका दर्जा निश्चित करती है। वह हमारे लिए अनेक बंद दरवाजे खोल देती है, परंतु कभी ऐसी भी परिस्थिति आ जाती है कि हम जरा नीचे झुककर समाज की निचली श्रेणियों की अनुभूति को समझना चाहते हैं। उस समय यह पोशाक ही बंधन और अड़चन बन जाती है। जैसे वायु की लहरें कटी हुई पतंग को सहसा भूमि पर नहीं गिर जाने देतीं, उसी तरह खास परिस्थितियों में हमारी पोशाक हमें झुक सकने से रोके रहती है। बाज़ार में, फुटपाथ पर कुछ ख़रबूज़े डलिया में और कुछ जमीन पर बिक्री के लिए रखे जान पड़ते थे। ख़रबूज़ों के समीप एक अधेड़ उम्र की औरत बैठी रो रही थी। ख़रबूज़े बिक्री के लिए थे, परंतु उन्हें खरीदने के लिए कोई कैसे आगे बढ़ता? ख़रबूज़ों को बेचनेवाली तो कपड़े से मुँह छिपाए सिर को घुटनों पर रखे फफक-फफककर रो रही थी। पड़ोस की दुकानों के तख़्तों पर बैठे या बाज़ार में खड़े लोग घृणा से उसी स्त्री के संबंध में बात कर रहे थे। उस स्त्री का रोना देखकर मन में एक व्यथा-सी उठी, पर उसके रोने का कारण जानने का उपाय क्या था? फुटपाथ पर उसके समीप बैठ सकने में मेरी पोशाक ही व्यवधान बन खड़ी हो गई। (४)

४.३ चोरी ः *"झूठ बोला तो आखिर बालक ही तो है " किसने कहा और क्यों ?*

चौके में अब भी बिन्दू का खाना पड़ा था। "झूठ बोला तो आखिर बालक ही तो है। "उसने सोचा, "भूखा जाने कहा भटक रहा होगा।" कई बार कमरे से बाहर आ-आकर मालती ने बिन्दू को देखा, फिर बगीचे का एक चक्कर लगाया कि कहीं पेड़ के नीचे पड़ा सो न रहा हो। पर बिन्दू वहाँ कहाँ था, जो मिलता। मालती आकर पलंग पर पड़ गई और अपने को कोसने लगी कि जरा-सी बात को इतना तूल क्यों दिया (६)

[१४]

४०

Total: १००

IEB Copyright © 2016